No. of Printed Pages : 7

BPY–011

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
PHILOSOPHY (BDP)

Term-End Examination

June, 2024

BPY-011 : PHILOSOPHY OF HUMAN PERSON

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : Answer all **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to question no. 1 and 2 should be in about **400 words** each.

1. Analyse different Indian approaches to the nature of human person explicating their impact on individual and society. 20

Or

Critically evaluate different perspectives on facing the death as an immanent possibility. 20

2. Explain the understanding of the nature of human person as bodily being as well as spiritual being. 20

P.T.O.

Or

Critically analyse human person as a cultural being. 20

3. Answer any two of the following question in about **200 words each.**

   (a) Examine the significance of studying gender issues under the philosophy of Human person. 10

   (b) Examine the nature and functions of human intellect as spiritual cognitive faculty and describe the relation of intellet with body. 10

   (c) Compare various theories that claim the nature of human person as inter-subjective. 10

   (b) Evaluate different theories of biological and biochemical origins of life. 10

4. Answer any four of the following questions in about **150 words each :**

   (a) What is Philosophy of Human Person ? How is it different from Psychology ? 5

   (b) Explain freedom of will. 5

(c) Enunciate Christian theories of the origin of human being. 5

(d) What is the worldly function of human person as bodily being ? 5

(e) Explicate the difference between animal communication and human communication. 5

4. What are the philosophical assumptions implied in the human rights ? 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100 words each.** 4

(a) Right to liberty 4

(b) Performative function of language. 4

(c) Power of self-transcendence. 4

(d) Teilhard de Chardin. 4

(e) Synthetic theory of evolution 4

(f) Predestination 4

(g) Saṁsāra 4

(h) Internal senses. 4

BPY-011

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम (दर्शनशास्त्र) (बीडीपी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.पी.वाई.-011 : मानव-व्यक्ति दर्शन

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : *100*

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न क्रमांक 1 एवं 2 के उत्तर लगभग **400-400** शब्दों में दीजिए।

1. व्यक्ति और समाज पर मानव-व्यक्ति सम्बन्धी भारतीय दृष्टिकोणों के प्रभाव की व्याख्या करते हुए उन दृष्टिकोणों का विश्लेषण कीजिए। 20

अथवा

अंतर्निहित सम्भावना के रूप में मृत्यु से सामना करने पर उपजे विभिन्न दृष्टिकोणों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

2. दैहिक और आध्यात्मिक सत् (जीव) के रूप में मानव-व्यक्ति की प्रकृति की समझ की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

सांस्कृतिक सत् (व्यक्ति) के रूप में मानव-व्यक्ति का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में दीजिए।

(अ) मानव व्यक्ति दर्शन के अन्तर्गत् लैंगिक मुद्दों के अध्ययन के महत्व का परीक्षण कीजिए। 10

(आ) आध्यात्मिक संज्ञानात्मक संकाय के रूप में मानवीय बुद्धि की प्रकृति और प्रकार्यात्मकता का परीक्षण कीजिए और शरीर के साथ बुद्धि के सम्बन्ध का वर्णन कीजिए। 10

(इ) अंत: वैयक्तिक के रूप में मानव-व्यक्ति की प्रकृति है, ऐसा दावा करने वाले विभिन्न सिद्धान्तों के मध्य तुलना कीजिए। 10

(ई) जीवन की जैविक और जैव-रासायनिक उत्पत्ति सम्बन्धी विभिन्न सिद्धान्तों का मूल्यांकन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर लगभग 150-150 शब्दों में दीजिए।

(अ) मानव-व्यक्ति दर्शन क्या है ? यह मनोविज्ञान से किस तरह भिन्न है ? 5

(आ) संकल्प की स्वतन्त्रता की व्याख्या कीजिए। 5

(इ) मानव-जीव की उत्पत्ति सम्बन्धी ईसाई सिद्धान्तों को निरूपित कीजिए। 5

(ई) दैहिक सत् (जीव) के रूप में मानव-व्यक्ति की सांसारिक प्रकार्यात्मकता क्या है ? 5

(उ) पशु-सम्प्रेषण और मानवीय-सम्प्रेषण के मध्य अन्तर की व्याख्या कीजिए। 5

(ऊ) मानव अधिकारों में कौन-सी दार्शनिक मान्यताएं निहित हैं? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(अ) स्वतन्त्रता का अधिकार 4

(आ) भाषा का क्रियात्मक/प्रदर्शनात्मक कार्य 4

(इ) आत्म-उन्नयन की शक्ति 4

(ई) टेल्हार्ड डि चार्डिन 4

(उ) उद्‌विकास का संश्लेषण सिद्धान्त 4

(ऊ) पूर्वनियति 4

(ए) संसार 4

(ऐ) अन्तः इन्द्रियाँ 4

***